

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा
सत्संग प्रारंभ

सुबह ९ से १२]

(रविवार, १८ जुलाई, १९९९)

कुल अंक : १००

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उसके अंक दर्शाये गए हैं ।

(विभाग - १ घनश्याम चरित्र)

- प्र. १. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए । ५
१. दुर्वासा ऋषि ने क्रोधित होकर क्या शाप दिया ?
 २. घनश्याम ने बन्दर को कितने दिन तक समाधि में रखा ?
 ३. एकादशी करने से कितना पुण्य प्राप्त होता है ?
 ४. घनश्याम महाराज के दायें पैर में दिखने वाले चिह्नों में से कोई भी चार के नाम लिखें।
 ५. घनश्याम ने कौन से पेड़ पर चढ़ कर पश्चिम की ओर देखा ?
- प्र. २. निम्नांकित विधान कौन किससे कहते हैं, वह लिखिए । (किन्ही पाँच) १०
१. "मुझे खाने के लिये गुड दो, तभी कान में छेद करने दोगे।"
 २. "ऐसे क्या बैठे रहे हो? हजामत पूरी कर।"
 ३. "मुझे सभी मिठाई दो तब यह अगूठी दूंगा"
 ४. "लडके, मुझे उपदेश देता है, शरम नहीं आती है ?"
 ५. "तुम सब यह सभी आम उढ़ने लगे।"
 ६. "हमारे पुत्रों को बिना भूल किये ही तुम्हारे घनश्याम ने मारा है।"
 ७. "आज हाथी का क्रोध आपने दूर न किया होता, तो मैं मर जाता।"
- प्र. ३. कौंस में दिए गए शब्दों में से योग्य शब्द का उपयोग करके रिक्त स्थानों की पूर्ति किजिए । १०
१. भक्तिमाता को अन्तसमय घनश्याम ने रूप में दर्शन दिये। (नरनारायण, रामचंद्र, चतुर्भुज नारायण)
 २. काशी में विद्वानों की सभा में घनश्याम ने मत को स्थापित किया। (अद्वैत, द्वैत, विशिष्टाद्वैत)
 ३. धर्मदेव, रामप्रताप और घनश्याम गाय को ढूंढने गये। (गोमती, कपिला, गौरी)

४. घनश्याम संध्या आरती में अवश्य पढ़ा जाते। (विद्याकुंज के मंदिर में, महादेव के मंदिर में, हनुमानगढी)
 ५. घनश्याम को में जनेऊ दिया। (अयोध्या, छपैया, काशी)
 ६. नामक राक्षस घनश्याम को सरयू नदी में फेंक दिया। (कालिया, कौशिक, कालिदत्त)
 ७. धर्मदेव द्वारा की गई परीक्षा में घनश्यामने उठाई। (तलवार, सोने की मोहरे, पुस्तक)
 ८. अयोध्या में धर्मदेव के घर के पीछे का मन्दिर था। (शिव, रामजी, हनुमान)
 ९. घनश्याम की मौसी का नाम था। (लक्ष्मी, सुवासिनी, चंदन)
 १०. घनश्याम का जन्म रात के बजे हुआ था। (१०, ८, १२)
- प्र. ४. निम्नलिखित किसी भी एक प्रसंग का वर्णन १० - १२ पंक्तियों में किजिए और उसका भाव-बोध लिखिए । ५
१. नई बत्तीसी। २. मछलियाँ जीवित की। ३. भूतिया कुँआ।
- प्र. ५. विभाग 'अ' तथा विभाग 'ब' के योग्य शब्दों से जोड़े बनाइए । ५
- | | |
|--------------------------|-------------------|
| 'अ' | 'ब' |
| १. कुशती का दाव | १. सरयू के किनारे |
| २. कान बिंधवाये | २. रामघाट पर |
| ३. बन्दरों | ३. मेथी पाक |
| ४. घनश्याम पत्थर पर बेटे | ४. दूधपाक पूरी। |
| ५. खीचडी के बदले | ५. गुड़ा |
- (विभाग - २ योगीजी महाराज)
- प्र. ६. निम्नलिखित विधान कौन, किससे कहते हैं, यह बताईए । (कोई भी पाँच) १०
१. "तुम गिनती करो न ! मुझसे भूल हो गई तो तुमसे भी भूल हो जायेगी।"
 २. "हाँ स्वामी, साधु बना दें तो कृपा होगी, मेरी भी यही इच्छा है।"
 ३. "आज तो त्यौहार है, नये दिनों में उपवास न करें।"
 ४. "शास्त्रीजी महाराज की दृष्टि, उसके पर बचपन से ही पड़ गई थी।"
 ५. "आप वैर को प्रेम से शान्त करनेवाले, श्रीजीमहाराज के आदर्श परमहंस है।"
 ६. "इतना सब कैसे सहन करते हो ?"
 ७. "तुमने आज मेरे अंतर की इच्छा पूरी कर दी।"

- प्र. ७. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए । ५
- शास्त्रीजी महाराज के प्रथम मिलन के समय, झीणाभगत और संतो ने क्या भेंट धरी थी ?
 - कौनसी तीन वस्तुएँ जो नित्य हैं ?
 - योगीजी महाराज की ६५वीं जन्म जयंती कहाँ सम्पन्न हुई थी ?
 - 'यज्ञपुरुष स्मृति ग्रन्थ' कौन से उत्सव के प्रसंग पर प्रगट हुआ था ?
 - योगीजी महाराज का जन्म कहाँ और कब हुआ था ?
- प्र. ८. कोष्ठक में से योग्य शब्द पसंद करके रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । १०
- सत्संग सम्बंधी जानकारी के लिये योगीजी महाराज ने आरम्भ कराई। (रविसभा, सत्संग पत्रिका, यज्ञपुरुष स्मृति)
 - लंडन में नदी में योगीजी महाराज ने ठाकोरजी को स्नान करवाया। (थेम्स, नाईल, एमेजोन)
 - नाम के हेडमास्टर ने चन्दू को बिना भूल किए ही मारा। (त्रिभोवनदास, कल्याणदास, छगनभाई)
 - कालिज में पढ़ते हैं तब प्रतिदिन घन्टे अध्ययन करना चाहिये। (चार, आठ, छ)
 - सं. के वर्ष में ब्रह्मस्वरूप शास्त्रीजी महाराज ने अहमदाबाद में प्रमुखस्वामी को संस्था के प्रमुख पद पर नियुक्त किया और चादर ओढ़ाई। (२००६, २००७, २००८)
 - हम सबको जैसा बनना है। (अग्नि, पानी, सिंह)
 - योगीजी महाराज के बायें हाथ की ऊँगली पर सर्पदंश हुआ था। (पहली, छोटी, दूसरी)
 - गृहत्याग के समय झीणाभाई की उमर लगभग वर्ष की थी। (१४, १७, २१)
 - योगीजी महाराज में अन्तर्धान हुए थे। (राजकोट, मुंबई, गोंडल)
 - योगीजी महाराज सबसे प्रथम ई.स. में अफ्रिका पधारे। (१९५५, १९६०, १९६२)
- प्र. ९. निम्नांकित में से किसी एक प्रसंग पर १० - १२ पंक्तियों में टिप्पणी लिखिए । ५
- निःस्पृही सन्त। २. मैं तो सेवक हूँ। ३. गुरुभक्ति।
- (विभाग - ३ किशोर सत्संग प्रारंभ)
- प्र. १०. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए । १०
- सहजानन्द स्वामी ने रामानन्द स्वामी से जो पहला वरदान माँगा था वह लिखें।
 - जोधा की भक्ति किसके सदृश थी ?
 - शास्त्रीजी महाराज ने कहाँ कहाँ मन्दिर निर्माण किये हैं ?

- गंगामा महाराज को क्या कहकर बुलाती थी ?
 - पूजा में किस किसकी मूर्ति रखनी चाहिए ?
 - एक संत ने भूमानंद स्वामी को भूखा जानकर क्या दिया ?
 - नाथा भक्त महाराज को कौनसी भेंट रखता था ?
 - भगुजी को मारने के लिए कौन कौन तैयार हुए थे ?
 - रामानन्द स्वामी के घाम जाने के पश्चात श्रीजीमहाराज ने किस नाम से भजन करवाया ?
 - पाणवी गाँव का राजपूत हरिभक्त कौन था ?
- प्र. ११. कोष्ठक में से योग्य शब्दों का चुनाव कर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। ५
- मूलजी को वर्ष में जनोऊ दिया। (८, १२, २४)
 - वजीबा गाँव में रहती थीं। (वीरपुर, विजापुर, गढपुर)
 - भाल की बीबडी ने महाराज को दिया। (अनाज दातुन, सोना)
 - मुक्तानंद स्वामी ने गाँव में सहजानंद स्वामी की आरती उतारी। (कारियाणी, मेघपुर, कालवाणी)
 - सर्व प्रथम गंगामा स्वामी की शिष्या थी। (रामानंद, सहजानंद, आत्मानंद)
- प्र. १२. निम्नांकित में से किसी एक पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। (१२ पंक्तियों में) ५
- धून २. सामंत पटेल ३. शूरवीर बाल भक्त
- प्र. १३. निम्नांकित में से किन्हीं पाँच कीर्तन/अष्टक/श्लोक की रिक्तता की पूर्ति कीजिए । १०
- पुरुषोत्तम प्रगटनुं सुगम करी सिद्धि।
 - स्वस्थानं गमनाय च।
 - जिसका नाम रट्या पाये नमुं प्रीतथी।
 - मीठा साटा साकर छे जाजी।
 - शास्त्र सकलनो जय जय गुणातीतानंद।
 - वाणी अमृतथी नित्य नमुं भावथी।
 - प्रगट हरि गुरु हदये धारी।
- प्र. १४. निम्नांकित में से कोई भी एक 'स्वामी की बात' पूर्ति कर उसका दस पंक्तियों में निरूपण कीजिए । ५
- कोई भगवान का स्मरण करें
 - भगवान अपने भक्त की रक्षा करने में